जब भी विपदा आई मैंने श्याम को याद किया भजन लिरिक्स

जब भी विपदा आई मैंने,
श्याम को याद किया,
खाटू वाले श्याम का ही बस,
मुख से नाम लिया,
दीनदयालु के होते भी,
जब मन था घबराया,
देख मेरी व्याकुलता को,
बाबा भी रुक ना पाया,
वो लिले चढ़ आया,
वो लिले चढ़ आया,
श्याम ना रुक पाया,
वो लिले चढ़ आया।bd।

तर्ज – उड़ जा काले कावा।

ठोकर जितनी खाई मैंने,
अपने जीवन में,
हँसता था बाहर से पर मैं,
रोता था मन में,
मेरे मन की पीड़ा को,
जब कोई पढ़ ना पाया,
देख मेरी व्याकुलता को,
बाबा भी रुक ना पाया,
वो लिले चढ़ आया,
वो लिले चढ़ आया,
श्याम ना रुक पाया,
वो लिले चढ़ आया।bd।

कलयुग के अवतारी बाबा,
भी ये कहते है,
कर्मो के कारण मेरे प्रेमी,
दु:ख सहते है,
अपनी करनी पर मायूसी,
में था जब पछताया,
देख मेरी व्याकुलता को,
बाबा भी रुक ना पाया,
वो लिले चढ़ आया,
वो लिले चढ़ आया,
श्याम ना रुक पाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वो लिले चढ़ आया।bd।

जिम्मेदारी थी मुझ पर,
परिवार चलाने की,
लेकिन क्या थी लाचारी,
हिम्मत ना बताने की,
हारे नैनो में 'प्रकाश' के,
जब कतरा बह आया,
देख मेरी व्याकुलता को,
बाबा भी रुक ना पाया,
वो लिले चढ़ आया,
वो लिले चढ़ आया,
श्याम ना रुक पाया,
वो लिले चढ़ आया।bd।

जब भी विपदा आई मैंने,
श्याम को याद किया,
खाटू वाले श्याम का ही बस,
मुख से नाम लिया,
दीनदयालु के होते भी,
जब मन था घबराया,
देख मेरी व्याकुलता को,
बाबा भी रुक ना पाया,
वो लिले चढ़ आया,
वो लिले चढ़ आया,
श्याम ना रुक पाया,
वो लिले चढ़ आया।bd।

Singer / Lyrics – Prakash Mishra

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com